वीयू – तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) भोपाल के मध्य एम.ओ.यू.

मध्यप्रदेश के एकमात्र नानाजी देशमुख वेटरनरी साइंस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी जी के द्वारा वेटरनरी विश्वविद्यालय ने हाल ही में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल के साथ समझौता करार किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (**AIIMS**) के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉक्टर अजय सिंह द्वारा एक बेहतर विश्व के लिए एक साथ एक दिशा में कार्य करने हेतु हस्ताक्षर किए गए इस समझौते का मुख्य उद्देश्य पशुओं से मानव तक फैलने वाली विभिन्न बीमारियां, संक्रमण है। पहले से ही मानव स्वास्थ्य रक्षा के लिए विभिन्न प्रयोग जैसे ड्रग ट्रायल, फीड ट्रायल आदि पशुओं में किए जाते हैं इसके उपरांत सफलता प्राप्त करने पर ही मानव के हित में कार्य किया जाता है। यह सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए यह समझौता किया गया । नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गौरव की बात है कि उनके विश्वविद्यालय की छात्रा डॉक्टर मेघा कटारे पांडे जिन्होंने स्नातक में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, स्नातकोत्तर गोविंद बल्लभ पंत एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पंतनगर में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा पीएचडी नामी गिरामी आईसीएआर के भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान बरेली से डॉक्टरेट की डिग्री हासिल कर वहां भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया। पूर्व में निषाद–भोपाल में वैज्ञानिक रही और वर्तमान में सह प्राध्यापक पद पर आयुर्विज्ञान संस्थान में पदस्थ हैं। गौरतलब है कि इस प्रकार की सोच एक पशु चिकित्सा ही रख सकते हैं जिस हेतु एम्स में पदस्थ डॉक्टर मेघा कटारे पांडे जिन्हें दोनों संस्थाओं के बीच करार हेतु नोडल बनाया गया और जिनके भरसक प्रयास से इस तरह के समझौते की पहल की गई जिसे दोनों संस्थाओं के शीर्ष अधिकारियों द्वारा समझकर अंजाम दिया गया।

कुलपति प्रोफेसर सीता प्रसाद तिवारी द्वारा विश्वविद्यालय के अंतर्गत चल रहे विभिन्न शोध तथा शोध हेतु उपलब्ध सुविधाओ के बारे में बताया, जैसे स्मॉलएनिमल हाउस, लैबोरेट्री, बायोटेक्नोलॉजी में उपलब्ध सुविधाएं वाइल्डलाइफ एवं फॉरेंसिक हेल्थ में उपलब्ध सुविधाएं आदि। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान विज्ञान संस्थान के निर्देशक डॉ. अजय सिंह ने कोलैबोरेटिव रिसर्च

प्रोजेक्ट्स बनाकर उन पर मानव तथा पशुओं के स्वास्थ्य एवं हित हेतु कार्य करने की पेशकश रखी जिसमें दोनों संस्थाएं कार्य कर कुछ अच्छे अनुप्रयोग कर इस दिशा में कार्य कर सकें।

जूनोसिस एक रोग जो कशेरुक जानवरों से दूसरे में प्रेषित किया जा सकता है। जुनोटिक बीमारियों में मुख्यत ब्रूसेलोसिस, लेप्टोस्पायरोसिस, रेबीज, एचआईवी, कोरोना इत्यादि जानवरों से ह्यूमन में फैलती है।

संक्रमण के उदाहरण जो मनुष्यों से जानवरों में फैल सकते हैं (कभी–कभी शरिवर्स जूनोज़श कहा जाता है) में शामिल हैंरू तपेदिक, और एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीवाणु संक्रमण (उदाहरण के लिए, मेथिसिलिन प्रतिरोधी स्टैफिलोकोकस ऑरियस या एमआरएसए)। वन हेल्थ अप्रोच के अंतर्गत क्लिनिकल सर्विस, ट्रीटमेंट एवं कम्युनिटी सर्विस कार्य में एवं कंपेनियन तथा लेबोरेटरी एनिमल में वे एक्सपरमेंट करने की आवश्कता है। समझौते के तहत केंपेनियन एनिमल में भी कार्य करने पर सहमती हुई है। डब्ल्यू एच ओ के वन हेल्थ प्रोग्राम के अंतर्गत आज यह जरूरी है कि किसी भी प्रकार की बीमारी चाहे वह मनुष्य से जानवर में आ रही है, जानवरों से मनुष्य में जा रही है तथा इन सभी का कुछ ना कुछ असर अगर हमारे पर्यावरण पर पड़ रहा है तो हमें सबके लिए संयुक्त रूप से कार्य करते हुए संक्रमित बीमारियों को रोकना है। डॉक्टर मेघा कटारे पांडे एसोसिएट प्रोफेसर आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल, इस तरह की विषयों पर काफी सजगता से कार्यरत हैं तथा मानव तथा पशुओं के हित में कार्य करने हेतु इस प्रकार का पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के समझौते की एक प्रमुख कड़ी के रूप में कार्य किया जिसके फल स्वरुप निश्चित थी दोनों संस्थाएं वन हेल्थ के उद्देश्य के लिए भविष्य में कार्य करेंगे। उक्त समझौते के कार्यक्रम में वेटरनरी विश्वविद्यालय से

कुलसचिव, डॉक्टर श्रीकांत जोशी, डीएसडब्ल्यू डॉक्टर आदित्य मिश्रा सह प्राध्यापक डॉ अक्षय गर्ग उपस्थित रहे। वही अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से डॉक्टर रुपिंदर कौर, डॉ देवाशीष समस्त विभागों के विभाग अध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी ने इस तरह के समझौते को यूनिक बताते हुए हर्ष व्यक्त किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर